हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

12 देशभर में 139 की मंजूरी, इनमें अकेले जिले को मिले 15 खेलों के लिए खेलो...

12 दो दिन की कार्मिक भूख हड़ताल पर बैठे नप कर्मी मांगें न मानी तो आंदोलन...

खबर संक्षेप

103 वर्षीय श्रवणी देवी का निधन

सतनाली मंडी। कस्बे के बाबूलाल पारीक की 103 वर्षीय माता श्रवणी देवी का निधन हो गया। वे धार्मिक विचारों वाली महिला थी। कस्बे में उनका अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें कस्बे सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। उनके निधन पर अनेक गणमान्य लोगों ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी व दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

रात्रि ठहराव कार्यक्रम गुवाणी में कल

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार आमजन को घर द्वार पर ही सरकार की योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से प्रत्येक माह लगाए जा रहे रात्रि ठहराव कार्यक्रम की कड़ी में जिला प्रशासन की ओर से 29 अप्रैल को गांव गुवाणी में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि 29 अप्रैल को गांव गुवाणी में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

गो सम्मान अभियान में सैकड़ों गोभक्तों लिया भाग

नारनौल। शहर में सोमवार को गो सम्मान दिवस के अवसर पर गो सम्मान अभियान का शुभारंभ किया गया। रेवाड़ी रोड स्थित कच्चा गढ़ आश्रम से शुरू हुए इस अभियान में सैकड़ों की संख्या में गो भक्तों, साधु संतों और धर्म प्रेमियों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने गोमाता के जयकारों के साथ शहर में प्रदर्शन किया। गोभक्तों ने कच्चा गढ़ आश्रम से प्रदर्शन शुरू किया और लघु सचिवालय पहुंचे। जहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा।

एक मई को मनाया जाएगा श्रमिक दिवस

महेंद्रगढ़। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के प्रांतीय मुख्य सगठन सचिव महेंद्र यादव ने बताया कि एक मई को रिटायर्ड कर्मचारी संगठन यादव धर्मशाला में अंतर राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मौके पर मजदूरों की आवाज बुलंद की जाएगी और श्रमिकों की मुख्य मांगें केंद्र सरकार श्रमिक/मजदूर/कर्मचारी विरोधी चार लेबर कोड जो लागू किए हैं, उनको तुरंत प्रभाव से रद्द किया जाए। कोरोना काल के एक महीने के बकाया डीए भुगतान किया जाए।

जन परिवेदना समिति की बैठक कल

नारनौल। उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा 29 अप्रैल को दोपहर एक बजे लघु सचिवालय के नजदीक सभागार में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। इसमें पहले से निर्धारित मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे। जिनका संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से समाधान किया जाएगा।

प्रशासन ने तैयार किया हीट वेव एक्शन प्लान, डीसी ने दिए पुख्ता प्रबंधों के निर्देश

हीट वेव एक्शन प्लान : जोहड़ में हो पानी व बस में हो जल कैंपर, पानी बर्बाद करने वालों के कटेंगे कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा के पश्चिमी जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली। जिससे सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी व महेंद्रगढ़ में सोमवार शाम तेज हवाओं के साथ आंधी व हल्की बारिश हुई। दस दौशरान हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जिससे तापमान में भी हल्की गिरावट महसूस की गई। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि यह पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव है, जो 28, 29 और 30 अप्रैल तक हरियाणा, एनसीआर दिल्ली क्षेत्र में सक्रिय रहेगा। इस दौरान कई स्थानों पर तेज हवाएं, बूंदाबांदी और गरज चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। जिले में तापमान काफी ऊंचा दर्ज किया गया। नारनौल में अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 43.5 व 29.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि महेंद्रगढ़ में यह 42.8 व 23.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम के इस बदलाव से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

नारनौल। सायं के समय तेज अंधड़ के कारण छाया अंधेरा।

भीषण गर्मी में जिला प्रशासन सतर्क

हरियाणा सरकार के दिशानिर्देशानुसार अत्यधिक गर्मी और लू (हीट वेव) के संभावित खतरों को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में सोमवार को उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ जिला हीट वेव एक्शन प्लान की समीक्षा की। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भीषण गर्मी के दौरान किसी भी नागरिक, पशु या जीव जंतु को पेयजल अथवा छाया की असुविधा नहीं होनी चाहिए और इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पानी की महत्ता को समझते हुए इसके दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जाए। यदि कोई भी नागरिक नल की टोटी खुली छोड़कर पानी की बर्बादी करता पाया जाता है, तो उसका पेयजल कनेक्शन तुरंत काटने के साथ साथ नियमानुसार जुर्माना भी लगाया जाए। बैठक में सिंचाई विभाग को पशुओं के लिए जोहड़ों में पानी की समुचित व्यवस्था करने तथा रोडवेज विभाग को बसों व बस स्टैंडों पर यात्रियों के लिए शीतल जल के कैंपर रखवाने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सार्वजनिक स्थानों व पार्कों में मटके रखवाने की व्यवस्था के साथ साथ आमजन से भी मानवीय आधार पर प्याऊ लगाने का आह्वान किया।

हीट वेव को लेकर जारी किए कंट्रोल रूम नंबर

उपायुक्त अनुपमा अंजलि के दिशानिर्देश पर जिला प्रशासन ने हीट वेव को लेकर किसी भी प्रकार की आपात स्थिति या शिकायत के लिए विभिन्न विभागों के कंट्रोल रूम नंबर भी जारी कर दिए हैं, ताकि आमजन को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिसमें कंट्रोल रूम नंबर उपायुक्त कार्यालय 01282251209, बिजली निगम 1912, 8059888209, 18001804334 टोल फ्री, अग्निशमन विभाग 112, स्वास्थ्य विभाग 01282251236, जन स्वास्थ्य विभाग 01282260582, टोल फ्री नंबर 18001805678, शिक्षा विभाग 01282298533, सिंचाई विभाग 01282251214, कृषि विभाग 9466817660, पंचायत विभाग 9467957298 व रोडवेज 01282251947 शामिल है।

रोडवेज यूनियन ने अपने ही जीएम पर लगाए गंभीर आरोप, जांच की मांग

जीएम पर निजी बसों को बढ़ावा देने और स्टाफ में ही ग्रुपबाजी के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने जीएम पर गंभीर आरोप लगाए हैं तथा इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को भेजकर जांच करने की मांग की है। यूनियन के राज्य प्रेस सचिव जितेंद्र यादव ने दोपहर के समय यूनियन कार्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस की। उनकी साथ कई पदाधिकारी मौजूद थे। दूसरी ओर जीएम ने उनके आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए खंडन किया है।

प्रेस सचिव जितेंद्र यादव ने बताया कि रोडवेज जीएम न केवल प्राइवेट बसों को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि रोडवेज कर्मचारियों में ग्रुपबाजी करके भाई–भतीजावाद फैला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए बताया कि रोडवेज बसें होने के बावजूद रेवाड़ी–दिल्ली मार्ग पर प्राइवेट बसें खूब चलाई जा रही हैं। जब इस बाबत उनसे शिकायत की गई तो वह डीटीओ को पत्र लिखकर कार्रवाई करवाने की बात कहते हैं, जबकि कार्रवाई करने की पॉवर उनके पास भी है। उन्होंने बताया कि अनेक सीटों पर अपने चहेतों को लगा रखा है। सीनियर जूनियर के मानदंडों का भी ख्याल नहीं रखा जा रहा। अड्डा इंचार्ज दो लगे हुए हैं और दोनों ही उनके आदमी हैं। उन्होंने बताया कि देवेंद्र उर्फ बिट्टू हुडीना के साथ एक साथी कर्मचारी से विवाद हो गया था, जिस पर उक्त कर्मचारी ने शिकायत दी तो देवेंद्र को सस्पेंड कर दिया गया, जबकि देवेंद्र ने जो शिकायत दी, उस पर आज तक संज्ञान नहीं लिया गया है। उन्होंने कर्मचारियों को प्रताड़ित करने एवं डराने धमकाने के भी आरोप लगाए और कहा कि उन्हें धमकी दी जाती है कि उनका करियर खराब कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कई रूटों पर अपने चहेतों को ओवरटाइम दिया जा रहा है, जबकि नौजवान चालक एवं परिचालक से भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने जातिवाद, भाई भतीजावाद, गुटबाजी से कर्मचारियों को दबाने का काम कर रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। निजी वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। ड्यूटी सेक्शन में अपने लोगों को लगा रखा है और दूसरे कर्मचारियों को प्रताड़ित करवाया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में रोष की भावना पैदा हो रही है। कर्मचारियों में रोष बना हुआ है। जीएम को मांगों को लेकर ज्ञापन दिया था, लेकिन उनकी मांगों का कोई समाधान नहीं किया गया, जिस कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है। यूनियन के पदाधिकारियों को तरह तरह की परेशानी दी जा रही है। एक कर्मचारी की पत्नी कैंसर पीड़ित है, उसकी ड्यूटी नहीं बदली जा रही। 11 से 12 घंटे तक की ड्यूटी ली जा रही है। कर्मचारियों के परिवारों में अव्यवस्था पैदा हो रही है। यदि जीएम का रवैया ऐसा ही रहा तो स्टेट बॉडी को साथ लेकर आंदोलन किया जाएगा।

नारनौल। पत्रकारवार्ता करते रोडवेज कर्मचारी नेतागण। फोटो : हरिभूमि

जीएम ने बताया आरोप बेतुनियाद

दूसरी ओर रोडवेज के जीएम देवदत्त ने उक्त सभी आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि इनको काम की कह दो, काम करना नहीं। आरोप लगाना ही इनका काम रह गया है। 640 कर्मचारियों में से इन 10–12 कर्मचारियों को ही परेशानी है। सभी आरोप बेबुनियाद एवं निराधार हैं। कोई भी प्रूव करके दिखाए। वे जनहित एवं विभाग हित में काम करते हैं। ये अपना स्वार्थ देखते हैं। इनको हंगामा करने एवं माहौल खराब करने की कोशिश रहती है, क्योंकि इनको ड्यूटी पर मत भेजो, घर पर छोड़ दो, फिर सब ठीक है। यदि मैं वास्तव में गलत होता तो बाकी कर्मचारी भी मेरे ऊपर आरोप लगाते हैं। अन्य यूनियनें भी आरोप लगाते। ये अपना स्वार्थ देख रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर चेयरमैन रविंद्र यादव छापड़ा, प्रधान सुरेश यादव, कार्यकारी प्रधान कर्मबीर, कार्यकारी सचिव नीरज यादव, उपप्रधान संजीव कुमार, संगठन सचिव विरेंद्र, कैशियर प्रदीप मालड़ा, प्रेस प्रवक्ता विवेक, सलाहकार राजवीर सिगड़ा एवं चालक संघ स्टेट के महासचिव देवेंद्र यादव आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जॉब सिक्योरिटी की अंतिम तिथि गुजरने से कर्मचारियों में रोष

नारनौल। मीटिंग करते जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन (हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ से सम्बद्ध) की पब्लिक हेल्थ ब्रांच की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान रमेश चंद यादव ने की, जबकि मंच संचालन ब्रांच प्रधान रामशरण यादव ने किया। बैठक में कर्मचारियों से जुड़ा सबसे अहम मुद्दा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के तहत जॉब सिक्योरिटी का रहा। कर्मचारियों ने बताया कि जॉब सिक्योरिटी के लिए 25 अप्रैल अंतिम तिथि निर्धारित थी, लेकिन डीडीओ की कथित हठधर्मिता और लापरवाही के चलते कई कर्मचारियों के दस्तावेजों का समय पर सत्यापन नहीं हो सका। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि अधिकारियों और गठित कमेटी की उदासीनता के कारण यह स्थिति बनी है। उनका कहना है कि कई बार कर्मचारी कार्यालय पहुंचे, लेकिन संबंधित अधिकारी और कमेटी सदस्य अनुपस्थित मिले, जिससे वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। इससे प्रभावित कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। बैठक में वक्ताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही सरकार से बातचीत कर पोर्टल को दोबारा नहीं खुलवाया गया और लंबित कर्मचारियों का डाटा वेरिफाई नहीं किया गया, तो कर्मचारी जल–मल व्यवस्था को बाधित करने के लिए मजबूर होंगे।

कनीना नपा उपचुनाव सभी नामांकन वैध

कनीना। नगर पालिका के वार्ड संख्या 14 में होने वाले उपचुनाव के तहत सोमवार को नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की गई। जांच के दौरान सभी उम्मीदवारों के नामांकन पत्र सही एवं वैध पाए गए। चुनाव रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि 21 से 25 अप्रैल तक प्राप्त सभी आठ नामांकन पत्रों की गहनता से जांच की गई। आवश्यक दस्तावेजों व पात्रता की पुष्टि के बाद सभी नामांकन उचित पाए गए और किसी भी नामांकन को निरस्त नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि अब आगामी प्रक्रिया के तहत 28 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित किया गया है। इसके पश्चात अंतिम रूप से प्रत्याशियों की सूची जारी कर उन्हें चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। उपचुनाव के कार्यक्रम के अनुसार 10 मई को मतदान कराया जाएगा तथा 13 मई को मतगणना होगी।

एसडीओ ने पेयजल समस्याओं का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ महेश यादव ने शहर के वार्ड चार, 11 व 10 में उत्पन्न पेयजल संकट का निरीक्षण किया। लोगों की शिकायतें सुनने के बाद उन्होंने पाइप लाइन दबाकर वार्डों की टेल तक पानी पहुंचाने का आश्वासन दिया। साथ ही ढलान वाली लाइनों में वॉल्व लगाए जाएंगे, जिससे सप्लाई का समान वितरण संभव हो सकेगा। इस दौरान विभाग की कनिष्ठ अभियंता पिंकी यादव मौजूद रही। नपा के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि सोनू तंवर, हंसराज फौजी, अजय यादव, राजेश योगी, गगन शर्मा, शारदा लुहारी, सोमदत्त, राजू सैनी ने बताया कि विभागीय बजट स्वीकृत होने पर सभी वार्डों में पाइप लाइन दबाई गई थी, लेकिन लाइनों में वॉल्व नहीं लगा, जिस कारण पानी ढलान की तरफ ज्यादा बहाव होता है। ऐसे में ऊंचाई पर रहने वाले घरों तक सप्लाई नहीं पहुंच पाती। लोगों को टैंकरों की मदद से पानी का प्रबंध करना पड़ रहा है। अब बीते 20 से 25 दिनों से आठ आठ दिनों के अंतराल पर करीब 20 मिनट ही पेयजल सप्लाई हो रहा है। सप्लाई का कोई निर्धारित शेड्यूल नहीं जिस कारण अधिकतर लोग पानी नहीं भर पाते हैं। समस्या से विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया, समाधान नहीं होने पर धरने प्रदर्शन का अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद सोमवार की दोपहर विभाग के एसडीओ महेश यादव व कनिष्ठ अभियंता पिंकी यादव ने मौका निरीक्षण किया है।

नांगल चौधरी। शहर के वार्ड 11 में पेयजल समस्या से रूबरू होते एसडीओ महेश यादव।

सांड सामने आने से बाइक सवार की मौत

महेंद्रगढ़। सतनाली क्षेत्र के गांव श्यामपुरा के पास सड़क पर सांड के अचानक आगे आने से बाइक उससे टकरा गई तथा बाइक सवार की सड़क पर गिरने से लगी चोटों के कारण मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 52 वर्षीय सुरेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस को दिए लिखित बयान में जिला भिवानी के गांव केरू निवासी सुरेंद्र ने बताया कि वह पांच भाई–बहन हैं। करीब 52 वर्षीय सुरेश उसका बड़ा भाई है। सुरेश करीब एक साल से सत्यक होटल नांधा पर काम करता था। बीती 26 अप्रैल को वह मोटरसाइकिल से खाना देने के लिए गांव श्यामपुरा ठेके पर जा रहा था।

हसला ने की जनगणना ड्यूटी विसंगतियों के समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) जिला इकाई ने सोमवार लघु सचिवालय में एकत्रित होकर जनगणना में लगी ड्यूटी में विसंगतियों के बारे में एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपा। हसला के जिला प्रधान अरविंद यादव माजरा ने बताया कि वर्तमान जनगणना में स्कूल प्रवक्ताओं की ड्यूटी अपने कार्यस्थल से 20 से 30 किलोमीटर दूर लगाई गई है, जिसके कारण संगठन में नाराजगी है। उन्होंने बताया कि इस भीषण गर्मी में कई महिलाओं की ड्यूटी अपने निवास स्थान व कार्य स्थल से बहुत दूर लगी हुई है। जिससे स्कूल की छुट्टी के बाद जनगणना का कार्य करना मौसम के प्रतिकूल है। उन्होंने बताया कि कुछ अध्यापकों को सुपरवाइजर व प्रवक्ताओं को प्रगणक लगाया गया है। उन्होंने इस प्रकार कनिष्ठ व वरिष्ठ पद अनुसार ड्यूटी में आ रही विसंगतियों को भी प्रशासन से सुधारने की अपील की। जिला महासचिव डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने महिलाओं को इस ड्यूटी से मुक्त करने की मांग की। इस मौके पर राज्य सहसचिव राधेश्याम नरवारा, जिला संरक्षक रघुवीर सिंह पटेल, महासचिव डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, मुख्य सलाहकार डॉ. योगेंद्र यादव, पवन कुमार, महेंद्रगढ़ खंड प्रधान विक्रम आकोदा आदि मौजूद रहे।

नारनौल। एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन देते हसला पदाधिकारी।

45 डिग्री तापमान के बीच वार्ड 20 सहित कई मोहल्लों में पानी को तरसे लोग

गहराने लगा पेयजल संकट दो दिन में एक बार सप्लाई

■ टैंकरों पर बढ़ी निर्भरता और जेब पर पड़ रहा अतिरिक्त बोझ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गर्मी के बढ़ते प्रकोप के साथ ही शहर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराने लगा है। तापमान जहां 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच चुका है, वहीं दूसरी ओर लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। शहर के वार्ड नंबर 20 के मोहल्ला देवस्थान, इंदिरा कॉलोनी, पुरानी मंडी और फ्रांसखाना सहित कई क्षेत्रों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 70 लीटर पानी उपलब्ध कराने का दावा किया जाता है, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। कई मोहल्लों में दो दिन में केवल एक बार पानी की सप्लाई हो रही है, जिससे लोगों को पीने, नहाने और घरेलू कार्यों के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। गर्मी के मौसम में पानी की खपत स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। तेज धूप और उमस के कारण लोग दिन में एक से अधिक बार नहाने को मजबूर हैं, वहीं पसीना अधिक निकलने से स्वच्छता बनाए रखना भी जरूरी हो जाता है। ऐसे में एक दिन छोड़कर पानी आने से लोगों की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। पानी की कमी के चलते अब लोग निजी वाटर टैंकरों का सहारा लेने को मजबूर हो गए हैं।

नारनौल। नल आने पर पानी जुटाते इंदिरा कॉलोनी के लोग।

वारदात सीसीटीवी में कैद, पुलिस जांच में जुटी

अज्ञात युवकों ने लगाई शराब ठेके को आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर में शराब के ठेके को आग लगाने का मामला सामने आया है। आग लगाने की यह पूरी वारदात ठेके के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। इस वीडियो में दो युवक बाइक पर आते हुए दिखाई दे रहे हैं। दोनों युवकों में से एक युवक बाइक पर खड़ा रहता है, जबकि दूसरे को टोर्च दिखाता है। दूसरा युवक एक बोतल ठेके के शटर पर छिड़कता है, जिसके बाद वह माचिस लेकर आग लगा देता है। इससे तेज धमाका होता है। इसके बाद दोनों युवक वहां से फरार हो जाते हैं। सोमवार को जब ठेकेदार मौके पर पहुंचा, तो उसे मामले की जानकारी हुई। जिसकी शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शहर के कुलताजपुर मोड़ पर शराब का ठेका बना हुआ है। सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है कि सोमवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे शराब का ठेका बंद था। उस समय बाइक पर सवार होकर आए दो युवकों ने तेल छिड़कर शराब के ठेके के शटर के बाहर आग लगा दी। आग लगाने के बाद दोनों युवक वहां से बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। आग की सूचना जब ठेके पर सो रहे कारिंदे संजय को लगी, तो उसने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इससे वह भी झुलस गया। कारिंदे ने ठेके के अंदर से पानी के कैंपर लाकर आग पर काबू पाया। इसके बाद संजय ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आग में झुलसे संजय को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसको प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। इसके बाद सूचना पर ठेकेदार कृष्ण कुमार भी मौके पर पहुंच गया।

नारनौल। तेल छिड़क कर शराब ठेके में आग लगाते युवक।

ठेके में आगजनी

इस बारे में ठेकेदार कृष्ण कुमार ने पुलिस में शिकायत दी है। जिसमें उसने बताया कि वह इस ठेके का संचालन करता है। सुबह करीब पांच से साढ़े पांच बजे के बीच बाइक सवार दो युवकों ने तेल छिड़क कर ठेके पर आग लगाई है। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने यह सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले ली है, जिसके आधार पर आरोपितों की तलाश कर रही है।

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
28 अप्रैल 2026

सहेली

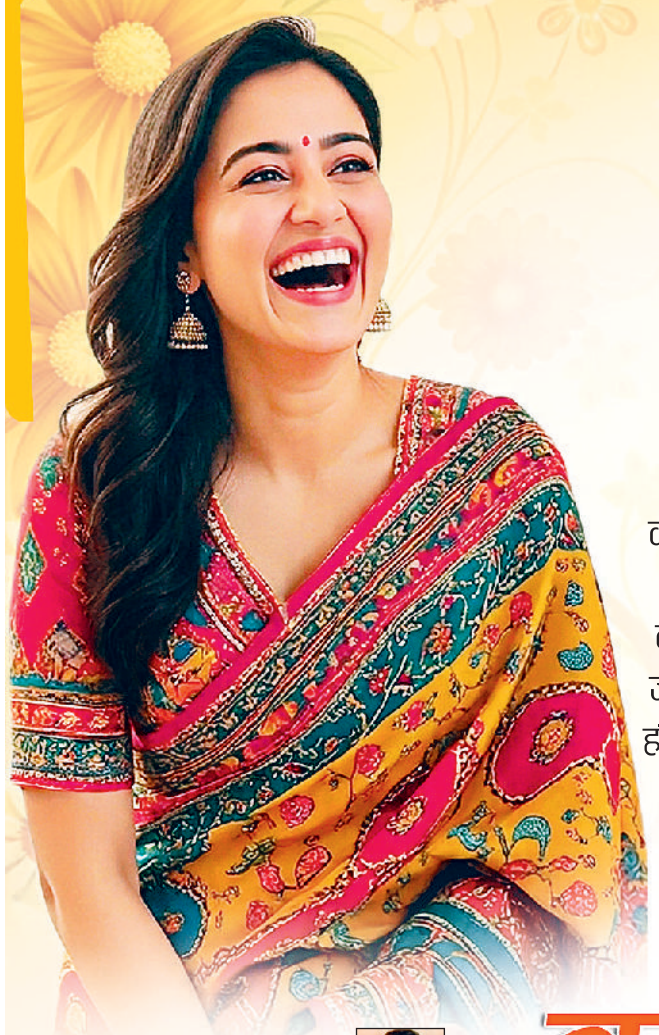

विशेषः विश्व हास्य दिवस, 3 मई

क्या आप हमेशा अपने काम में डूबी रहती हैं-काम.. काम.. बस काम। हंसी-ठिठोली से दूर, चेहरे पर जरा-सी भी मुस्कान नहीं। एक असहज जीवन, बोझिल-सा मन। यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। हंसिए जरूर। हंसी मन को संभालती है, तनावमुक्त रखती है, एक सुकून देती है। हंसी हमें सहज-सरल बनाती है। इतना ही नहीं, हंसी रिश्तों को भी जोड़ कर रखती है। हंसी हमें प्रफुल्लित रख जीवन को जीवंत बनाती है।

हंसो-हंसाओ बने रहो जीवंत

कवर स्टोरी

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

जन्म लिया बच्चा जो बोल नहीं पाता, वह मुस्कुराता है, हंसता है, इसी के जरिए दुनिया से अपना पहला रिश्ता बनाता है। शायद इसी कारण हंसी मात्र एक भाव नहीं, संवाद का एक खूबसूरत जरिया भी है। एक समय था, जब रिश्तों के भीतर हंसी-ठिठोली किसी जीवंत तंतु की तरह फैली रहती थी, जो उन्हें भीतर से जोड़े रखती थी। ऐसा भी नहीं है तब कामों की थकान और शिकायतें नहीं होती थीं, लेकिन इन सब पर भारी पड़ती थी-हंसी। यही हंसी, थके शरीर को एक राहत देती थी।

हंसी के लिए नहीं चाहिए होता था खास मौका

पहले के समय में हंसी किसी खास मौके की मोहताज नहीं होती थी, वह तो रोजमर्रा की गतिविधियों में घुली-मिली रहती थी। हंसी एक ऐसा संवाद होता था, जिसमें चलते-फिरते सब शामिल हो जाते थे-छोटा, बड़ा, बूढ़ा और जवान। हर किसी के पास हंसी का अपना एक किस्सा, एक अंदाज होता था। घर के आंगन में चार औरतें बैठीं नहीं कि बातें शुरू, इन बातों के बीच हंसी अपने आप जन्म ले लेती थी। दो लोगों को हंसते देख कब स्वयं भी हंसी का फव्वारा फूट पड़ता, पता ही नहीं चलता था। इस तरह हंसी हमें आपस में जोड़ती थी।

हंसी रिश्तों में घोलती थी मिठास

देवर-भाभी का रिश्ता तो जैसे हंसी का सबसे प्यारा संग-साथ होता था। नई बहू घर में आती, तो देवरों की शरारतें शुरू हो जातीं-कोई रास्ता रोक लेता, कोई नाम बिगाड़ देता, कभी खुद ही ऐसी बात कह बैठते कि भाभी ही नहीं, दादी, मां और बहनें भी हंसी में शामिल हो जातीं। भाभी भी कम नहीं होतीं-एक ही पंक्ति में ऐसा जवाब देती कि घर-आंगन ठहाकों से गूंज उठता। इसमें कोई मर्यादा नहीं टूटती थी- एक ऐसा अपनापन होता था, जो धीरे-धीरे रिश्तों को खोल देता था। सबसे खास बात यह होती थी कि उस समय कोई अकेला नहीं होता था। अगर किसी का चेहरा बुझा-बुझा सा दिख जाए, तो उसे यूं ही नहीं छोड़ दिया जाता। दो-चार औरतें पास बैठ जातीं और फिर शुरू हो जाती थी हल्की-फुल्की छेड़छाड़, जो धीरे-धीरे हंसी में बदल जाती। बिना समझाए, बिना समझे ही मन हल्का हो जाता था।

महसूस होता है एक सुकून

पहले के लोग भले ही ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं होते थे, लेकिन उन्हें जीने की समझ गहरी हुआ करती थी। उन्हें यह नहीं पता था कि हंसने से शरीर में एंडॉर्फिन बनता है या डोपामिन बढ़ता है, लेकिन इतना जरूर जानते थे कि खुलकर हंसने के बाद मन हल्का हो जाता है। आज विज्ञान बताता है कि जब हम हंसते हैं तो शरीर में ऐसे तत्व सक्रिय होते हैं, जो दर्द कम करते हैं, मन को स्थिर रखते हैं और तनाव घटाते हैं। साथ बैठकर हंसने से अपनापन बढ़ता है, भरोसा मजबूत होता है। यही कारण है कि खुलकर हंसने के बाद एक सुकून-सा महसूस होता है।

हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक

आज मनुष्य पहले से अधिक सक्षम है, मजबूत है, लेकिन कहीं न कहीं पहले से ज्यादा अकेला भी हो गया है। वह सब कुछ संभाल रहा है, पर किसी से अपने मन की कहने का अवसर उसे कम मिलता है। ऐसे समय में हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। जरूरत यह नहीं कि हम पुराने समय में लौट जाएं, बल्कि यह है कि हंसी जैसी सरल और सुंदर आदत को फिर से अपने व्यवहार में जगह दें, मिलकर हंसने की आदत डालें। लोगों से संवाद करें। अपनी बात कहें, दूसरों की सुनें और बीच-बीच में खुलकर हंसें भी। रोज नहीं तो हफ्ते में एक दिन ही सही, थोड़ा समय अपनों के लिए निकालें, उनके साथसाथ बैठें, बिना किसी खास वजह के बातें करें। और अगर कोई चुप दिखाई दे, तो उसके पास जाकर बैठें, क्योंकि सच यही है कि सिर्फ बातों से किसी का दुख-तनाव कम नहीं किया जा सकता। कई बार एक सहज, साझा हंसी ही मन का सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। हास्य दिवस हमें यही याद दिलाता है कि हंसी कोई व्यर्थ चीज नहीं है। हंसी में जीवन को हल्का करने की ताकत है, रिश्तों को जोड़ने की ताकत है और मन को संभालने का सबसे सरल उपाय भी यही है।

आइए, हम फिर से अपने जीवन में हंसी के लिए जगह बनाएं। आंगन छोटा हो तो क्या, दिल बड़ा रखें। हम बैठकी सजाएं, ठहाके लगाएं और एक-दूसरे से दिल की कहें, मौज-मस्ती करें, चुहलबाजी करें और हंसते रहें। क्योंकि अंत में हमारे साथ जो रह जाता है, वह केवल हमारी कमाई नहीं होती, बल्कि यह होता है कि हमने अपनी उस कमाई से कितनों के चेहरे पर सच्ची मुस्कान दी है।

प्यार और परवाह भरे हों छुट्टियों के दिन

समर वैकेशन का समय बच्चों के लिए दिन भर की व्यस्तता वाली नियमित दिनचर्या से भले अलग हो, लेकिन इस समय का सदुपयोग जरूरी है। इसके लिए एक प्लानिंग बना ली जानी चाहिए। पैरेंट्स और बच्चे मिलकर छुट्टियों को प्यार और परवाह भरे दिन बनाएं।

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

साल भर बाद आने वाली छुट्टियों यानी समर वैकेशन का समय सीमित ही होता है। यही दिन कहीं जाने या किसी के अपने घर आने के दिन भी होते हैं। इसीलिए सही प्लानिंग बनाकर बच्चों की रुचि के मुताबिक कुछ एक्टिविटीज से जुड़ने की राह चुनना जरूरी है। असल में छुट्टियों के सही उपयोग और नियोजन के लिए पहले दिन से ही कुछ बातें तय कर लेना जरूरी है। समर क्लासेस की ज्वाइनिंग से लेकर अपने रूम को ऑर्गनाइज्ड करने और हम उम्र साथियों के खेलने-कूदने के साथ ही परिवार संग वक्त बिताने के सहज से गाइडलाइंस को इस प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। बीते एकेडमिक ईयर या आने वाली क्लास के मुताबिक कोई होमवर्क दिया गया हो तो उसे पूरा करने को लेकर भी टाइम टेबल बनाना चाहिए।

समझें समर क्लास की उपयोगिताः गर्मियों की छुट्टियों में समर कैंप या क्लासेस भी बच्चों के लिए कुछ नया सीखने-समझने का अच्छा अवसर होते हैं। इस समय बच्चे अपनी हॉबी या स्किल्स निखारने के लिए कोई कोर्स कर सकते हैं। इन स्किल्स के क्लासरूम में बच्चों पर अच्छा परफॉर्म करने का कोई मानसिक दबाव नहीं होता। प्रतियोगिता से दूर सहज माहौल में बच्चे कुछ नया सीखते हैं। समर क्लासेस बच्चों को क्रिएटिव मोर्चे पर मन का करने का अवसर देते हैं। हॉबी क्लासेस में बच्चे रचनात्मक रूप से बहुत सक्रिय रहते हैं। असल में समर क्लासेस में बच्चे अपने ही आस-पास की अनदेखी-अनजानी दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। गिनती के दिनों के ये क्लासरूम बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को रचनात्मकता का प्यारा कैनवास देते हैं। जिस पर बच्चे बिना किसी तनाव के अपनी मर्जी के रंग भरते हैं।

बच्चों के लिए चुनें सही कोर्सः सभी पैरेंट्स सोचते हैं कि गर्मी की छुट्टी में बच्चों को क्या ऐसा कोर्स कराएं कि अवकाश के दिनों में भी उनका समुचित विकास हो। जरूरी यह है कि पैरेंट्स की इच्छा से बच्चों के रुचि-रुझान का भी मेल हो। इन दिनों क्रिकेट, स्केटिंग, योग, कसरत, डांस, म्यूजिक, स्केचिंग, पेंटिंग, स्टोरी टेलिंग और पब्लिक स्पीकिंग जैसी कई तरह की क्लास चलती हैं, पर कोई भी कोर्स नहीं चुना जा सकता। ना ही हर कोर्स, हर बच्चे के लिए सही होता है। इसीलिए घर के छोटे सदस्यों की रुचि और उम्र के अनुसार ही कोर्स का चयन करना आवश्यक है। इस मोर्चे पर पैरेंट्स अपनी पसंद बिलकुल भी न थोपें। छुट्टियां खुशियों का ही समय होता है। बिना किसी के दबाव के कलात्मक गतिविधियां करने से डोपामाइन हार्मोन बढ़ता है। यह हार्मोन बच्चों को खुशी और शांत मन की सौगात देता है। प्रसन्न और पॉजिटिव माइंडसेट से किए गए ऐसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कई बार जिंदगी भर के लिए बच्चों के शौक की बुनियाद बना देते हैं।

घर में भी रचनात्मक गतिविधियांः समर क्लास या समर कैंप न जाने वाले बच्चे घर में भी क्रिएटिव छुट्टियां बिता सकते हैं। समर वैकेशन में आस-पड़ोस के बच्चे मिल-जुलकर कुछ नया सीख सकते हैं। कुछ एक्टिविटीज में तो पैरेंट्स भी शामिल हो सकते हैं। बच्चों के साथ पैरेंट्स कोई नई रेसिपी बना सकते हैं। इससे बच्चे घर और रसोई के छोटे-छोटे काम करना सीखेंगे। घर में पैरेंट्स के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए बच्चे घर और अपना कमरा साफ रखने और चीजों को सही जगह पर जांचने का पाठ भी पढ़ सकते हैं। फुर्सत के पलों में सहज अंदाज में दिए गए अभिभावकों के दिशा-निर्देश बच्चों को बोझ भी नहीं लगते। इतना ही नहीं बच्चे ऑनलाइन क्लासेस के जरिए भी कोई नई भाषा सीख सकते हैं। तकनीकी फील्ड में रुचि हो तो कोडिंग, रोबोटिक्स या डिजिटल आर्ट के क्लास ले सकते हैं। सुबह-शाम बच्चों के साथ इंडोर गेम्स खेलने के लिए समय निकालना भी फुर्सत में कुछ पल बिताने का बहुत प्यारा तरीका है।

एडवाइस

ललिता गोयल

वर्किंग वूमेन के लिए घर के साथ वर्कप्लेस की जिम्मेदारियां निभाना आसान नहीं होता है। वहां भी उन्हें कई तरह के चैलेंजेस और प्रॉब्लम्स को फेस करना पड़ता है। ऐसे में परेशान होने के बजाय आपको उन्हें हैंडल करने का तरीका सीखना चाहिए।

वर्कप्लेस चैलेंजेस-प्रॉब्लम्स को वर्किंग वूमेन ऐसे करें फेस

आज के दौर में बहुत सी महिलाएं वर्किंग हैं। ऑफिस में वर्क प्रेशर के अलावा तरह-तरह के स्ट्रेस का सामना भी उन्हें करना पड़ता है। कुलीग और बॉस का नेचर, ऑफिस का माहौल, कंपनी पॉलिसीज, जेंडर भेदभाव, उचित सैलरी न मिलना, पर्सनल सेफ्टी की चिंता जैसी कई चुनौतियों का सामना वे करती हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के मुताबिक वर्कप्लेस पर पुरुषों के मुकाबले में महिलाओं में बर्नआउट यानी मानसिक और शारीरिक थकान के मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं। ऑफिस प्रॉब्लम्स से निपटने के लिए एक क्लीयर विजन और कॉन्फिडेंस की जरूरत होती है। जानिए, वर्किंग महिलाएं ऑफिस से जुड़ी समस्याओं को कैसे करें हैंडल?

मल्टीटास्किंग से बचें: एक समय में एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करें, इससे गलतियां कम होती हैं। अगर आपके पास पहले से ही बहुत काम है, तो अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचें। अपनी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के बारे में अपने मैनेजर या एचओडी से बात करें। संभव हो तो फ्लेक्जिबल वर्किंग ऑवर या वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन चुनें। कुलीग्स के साथ हेल्दी रिलेशन बनाएं।

जेंडर भेदभावः कई बार वर्कप्लेसेस पर गलत धारणाएं बना ली जाती हैं कि महिलाएं देर तक नहीं रुक सकतीं या शादी-मां बनने के बाद वे काम को लेकर कंसंट्रेट नहीं कर पाती हैं। इसे 'ग्लास सीलिंग' भी कहते हैं, जहां योग्यता के बावजूद उनको प्रमोशन या उचित इंक्रीमेंट नहीं मिलता है। इस समस्या से निपटने के लिए अपनी उपलब्धियों को डेटा और रिजल्ट्स के साथ पेश करें। कॉन्फिडेंट होकर अपनी बात रखें।

वर्कप्लेस सेफ्टीः ऑफिस में देर शाम तक काम के दौरान या फील्ड वर्क के दौरान सुरक्षा की चिंता, लगभग सभी वर्किंग वूमेन को होती है। इसके अलावा कई बार मेंटल टॉर्चर या हैरेसमेंट का भी उनको सामना करना पड़ता है। ऐसे में अपनी कंपनी की पॉलिसी के बारे में जागरूक रहें। किसी भी गलत व्यवहार को शुरुआत में ही टोकें। किसी भी तरह के भेदभाव या असुरक्षित व्यवहार को अनदेखा न करें और शिकायत दर्ज करने में जरा भी संकोच न करें।

वर्क प्रेशरः ऑफिस में पहले उन कामों को करें, जो ज्यादा जरूरी हैं। इसके अलावा गैरजरूरी काम या दूसरों के काम खुद न करें। अपने रोल के हिसाब से अपने कार्यों की पूरी लिस्ट बनाएं और इसके बाद इन्हें प्रायोरिटी के हिसाब से सेट कर लें। खुद को कभी भी ओवर वर्कलोडेड न रखें। हर काम को परफेक्ट बनाने की कोशिश कई बार तनाव बढ़ा देती है। इसलिए खुद से बहुत ज्यादा उम्मीद ना रखें। अगर कभी कोई काम समय पर नहीं हो पाता या परफेक्ट नहीं हो पाता तो खुद को दोष देने की बजाय अगले दिन उसे बेहतर तरीके से करें।

सीमाएं निर्धारित करें: ऑफिस टाइम के बाद बहुत इंपॉर्टेंट न होने पर कॉल्स या ई-मेल्स चेक करने से बचें। काम की लिस्ट बनाकर, उन्हें ऑफिस टाइम में ही पूरा करें। अगर आप ऐसा करती है तो दिन के आखिर में आपके सारे काम पूरे हो जाएंगे, जिससे फील गुड होगा।

(मनोवैज्ञानिक मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

मन को ऐसे रखें रिलैक्स

आप अपने ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभा पाएं, इसके लिए जरूरी है कि खुद को रिलैक्स रखें और मन को शांत रखें। मन शांत रखने के लिए आप डेली कुछ मिनट तक योगा, मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी कर सकती हैं। एक्सरसइज भी मन को शांत रखने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। जब आप दिन की शुरुआत योगा या मेडिटेशन से करती हैं तो पूरा दिन एनर्जेटिक और हैप्पी फील होता है। इससे दिन भर आप वर्क प्रेशर को आसानी से संभाल सकती हैं। इसके साथ ही स्ट्रेस और थकान से बचने के लिए लगातार काम करने के बजाय छोटे-छोटे ब्रेक लेती रहें।

थेरेपी

डॉ. गौरव गुप्ता
सीनियर साइकिएट्रिस्ट-सीईओ
तुलसी हेल्थकेयर, गुरुग्राम

प्रेगनेंट महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से हेल्दी रहने के लिए कई उपाय आजमाती हैं। इसमें लाफ्टर थेरेपी भी बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके क्या फायदे हैं और इसे कैसे करना चाहिए, जानिए।

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए फायदेमंद है लाफ्टर थेरेपी

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का सबसे खास लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर भी होता है। इस दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव, शारीरिक असामान्यता और कई तरह की चिंताएं, महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। इस वजह से प्रेगनेंसी का दौर कुछ महिलाओं को मुश्किलों भरा लगने लगता है। ऐसे में गर्भवती महिला के मानसिक स्वास्थ्य और बच्चे की ग्रोथ पर इसका बहुत बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में लाफ्टर थेरेपी यानी हंसी को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाना, मां और बच्चे दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। आइए जानते हैं लाफ्टर थेरेपी और इससे होने वाले फायदों के बारे में।

लाफ्टर थेरेपी क्या हैः लाफ्टर थेरेपी एक नेचुरल हीलिंग तकनीक है, जिसमें हंसी के माध्यम से तनाव को कम किया जाता है। यह शरीर में एंडोर्फिन (हैप्पी हार्मोन) के स्तर को बढ़ाती है और कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) के स्तर को घटाती है।

लाफ्टर थेरेपी के फायदेः तनाव और चिंता में कमी गर्भावस्था में मानसिक तनाव आम बात है। हंसी से दिमाग में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे मूड बेहतर होता है और चिंता का स्तर कम होता है।

नींद में सुधारः हंसी से शरीर रिलैक्स होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। यह गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है।

इम्यूनिटी बूस्टरः लाफ्टर थेरेपी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। इससे संक्रमण या मौसमी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

हार्मोनल बैलेंस में मददः हंसी हार्मोनल उतार और चढ़ाव को संतुलित करने में सहायक होती है, जिससे मूड स्विंग्स नियंत्रित रहते हैं।

डिलीवरी के लिए तैयारीः हंसने से फेफड़े और पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे श्वसन और रक्त संचार बेहतर होता है। यह डिलीवरी के समय सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करता है।

शिशु पर सकारात्मक असरः मां के हंसने से गर्भ में पल रहे शिशु तक मां की सकारात्मक भावनाएं पहुंचती हैं। खुश मां का असर शिशु के विकास पर भी बहुत सकारात्मक रूप से पड़ता है।

कैसे करें लाफ्टर थेरेपीः रोजाना सुबह 10-15 मिनट हंसने की आदत डालें। लाफ्टर योगा या ग्रुप एक्टिविटीज का हिस्सा बनें। कॉमेडी फिल्में या हल्के-फुल्के टीवी शो देखें। परिवार और दोस्तों के साथ हंसी-मजाक में वक्त बिताएं।

प्रस्तुतिः निकिता चौहान

तब जरूर करें डॉक्टर से कंसल्ट

लाफ्टर थेरेपी, प्रेगनेंसी के दौरान दवारहित और पूरी तरह सुरक्षित उपाय है। यह मां के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर शिशु के स्वस्थ विकास में मदद करती है। हालांकि अगर गर्भावस्था में किसी प्रकार की मेडिकल जटिलता हो तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही इस थेरेपी को अपनाना चाहिए।

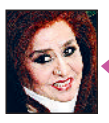

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

गर्मी के मौसम में स्किन केयर गुलाब जल है बहुत कारगर

गुलाब जल का इस्तेमाल सुंदरता निखारने में सदियों से किया जा रहा है। शायद यही वजह है कि जब स्किन केयर की बात आती है तो गुलाब जल का नाम भी आता है। यह आपकी त्वचा और चेहरे को ठंडक प्रदान करता है, जबकि इसकी खुशबू आपको तरोताजा रखती है और मूड को बेहतर बनाती है। गर्मियों में गुलाब जल त्वचा के लिए एक नेचुरल टोनर, क्लींजर और हाइड्रेटर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक, नमी और निखार देता है, साथ ही पीएच स्तर को संतुलित रखता है। यह टैनिंग, सनबर्न, मुंहासों और अतिरिक्त तेल को कम करने में बेहद प्रभावी है। इसे स्प्रे, टोनर या फेस पैक के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल स्प्रेः एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर गुलाब जल गर्मियों की तेज धूप से स्किन को सुरक्षित रखता है। गर्मियों में रूखी, बेजान चेहरे की त्वचा को तरोताजा रखने के लिए गुलाब जल को फेस मिस्ट के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसे एक बोतल में रखकर चेहरे पर स्प्रे कर सकती हैं। इसे पूरी तरह सोखने दें। अगर आप कील, मुंहासों और दाग-धब्बों से परेशान हैं तो आप रात को सोने से पहले कॉटन बॉल की मदद से गुलाब जल लगाएं और इसे रात भर लगा रहने दें। आप इसे चेहरे पर सीधे भी स्प्रे कर सकती हैं या गुलाब जल को आइस ट्रे में जमा लें और इन आइस क्यूब को चेहरे पर हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें। इससे तपती धूप में ठंडक मिलेगी और चेहरे पर ग्लो दिखेगा। गर्मियों के दिनों में ऑयली स्किन पर पिंपल होना आम समस्या है। इससे निपटने के लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में दो-तीन चम्मच गुलाब जल को मिलाकर बने पेस्ट को चेहरे पर लगा लें और इसे प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। पूरी तरह सूख जाने के बाद इसे ताजे ठंडे पानी से धो डालें।

डार्क सर्कलः गुलाब जल के उपयोग से आंखों के आस-पास डार्क सर्कल को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आप प्रभावित क्षेत्र में रूई की मदद से गुलाब जल लगाएं, जिससे त्वचा में नमी बढ़ेगी और डार्क सर्कल धीरे-धीरे कम होंगे। डार्क सर्कल के लिए गुलाब जल और ठंडे दूध को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से आहिस्ता-आहिस्ता आंखों को नीचे लगाकर आधे घंटे बाद ताजे पानी से धो डालें। इसे सप्ताह में तीन बार आप यूज कर सकती हैं।

फेस पैकः पुदीने और गुलाब जल का पैक त्वचा को मुलायम बनाने में सहायक होता है। पुदीने के रस में एक चम्मच शहद और थोड़ा सा गुलाब जल मिलकर बने पैक को चेहरे पर कुछ देर तक लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालें।

खबर संक्षेप

प्रताप सिंह की जीत पर अधिवक्ता खुश

कनीना। पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल की मतगणना का कार्य पूरा हो गया है जिसके लिए कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। बार एसोसिएशन प्रधान मंजीत यादव व पूर्व बार प्रधान हरीश गाहडा ने बताया कि पंजाब एंड हरियाणा बार काउंसिल के सदस्य पद पर अधिवक्ता प्रताप सिंह के लगातार पांचवीं बार निर्वाचित होने पर वकीलों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। मौके पर बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान ओपी यादव, कुलदीप यादव कनीनवाल, रमेश कोशिक, कैलाश चंद गुप्ता, अनिल शर्मा, दीपक चौधरी, नवीन कौशिक, सतीश करीरा मौजूद रहे।

भागवत कथा में विदुर मैत्रेय संवाद का वर्णन

नारनौल। मोहल्ला संघीवाड़ा में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन सोमवार को आचार्य मोरध्वज शुक्ला ने भक्तों को विदुर मैत्रेय संवाद के दौरान विदुर व मैत्रेय के बीच ज्ञान और मोक्ष के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कपिल भगवान के जन्म और उनकी महिमा का वर्णन किया तथा धुर्व की भक्ति और भगवान के प्रति उनकी समर्पण की कथा का सुंदर वर्णन करते हुए बताया कि अगर भगवान पर भरोसा कर सच्ची भक्ति की जाए, तो भगवान स्वयं अपने भक्त की रक्षा करने के आते हैं।

गोभक्तों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कनीना। गो संरक्षण व गो सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों व गोभक्तों ने एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह को राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा। कपूरी स्थित मंशा दास मंदिर के महंत राम भजन दास ने बताया कि गोभक्त बाबा मोलड नाथ मंदिर प्रांगण में एकत्रित हुए और वहां से पदयात्रा करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने ज्ञापन सौंपकर गो संरक्षण व सम्मान देने की मांग की। इस मौके पर महाराज विष्णु गिरी, रामदास, ओमदास, अशोक कुमार, मोहित शर्मा, मोहन सिंह, भगत सिंह, दीपक चौधरी आदि रहे।

संरक्षण को लेकर अटेली में उठी बुलंद आवाज

मंडी अटेली। गोसंरक्षण और गोसम्मान को लेकर अटेली में सामाजिक संगठनों का आक्रोश सोमवार को खुलकर सामने आया। गोरक्षक दल सहित विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर ठोस कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन तहसीलदार के रीडर उषा को सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने गौवंश की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि सड़कों पर घूम रही गौ माताएं आए दिन हादसों का शिकार हो रही हैं। इससे जहां गौवंश की जान जा रही है, वहीं आमजन की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। उन्होंने मांग की कि आवारा पशुओं के लिए स्थायी नीति बनाई जाए और प्रत्येक क्षेत्र में सुसज्जित गौशालाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

शादी की वर्षगांठ पर बांटी पाठ्य सामग्री

सतनाली मंडी। गांव सुरेहती पिलानिया के सरपंच राजेंद्र सिंह ने अपनी शादी की वर्षगांठ पर गांव के प्राथमिक पाठशाला में विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री भेंट की, साथ ही राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हेतु 10 सकोरे भेंट कर अनुकणीय पहल की। स्कूल प्रवक्ता विजय कुमार पारीक ने बताया कि सरपंच राजेंद्र सिंह ने अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर प्राथमिक पाठशाला में कक्षा पहली से पांचवीं के विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित की। इस मौके पर प्राचार्या डॉ. संगीता ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से समाज में एक अच्छा संदेश जाता है।

नारनौल। डीसी अनुपमा अंजलि का अभिनंदन करते आरएसओ।

सड़क सुरक्षा संगठन ने किया डीसी व एसपी का अभिनंदन

नारनौल। सड़क सुरक्षा संगठन ने जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक व उपायुक्त अनुपमा अंजलि के पदभार ग्रहण करने पर उन्हें बधाई दी। संगठन के प्रधान राजेश कुमार यादव ने दोनों उच्चाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन की ओर से जिले में चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विश्वास जताया कि जिले के इन दोनों शीर्ष अधिकारियों के कुशल नेतृत्व, अनुभव व दूरदर्शी दृष्टिकोण से कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। इस मौके पर बद्रीप्रसाद गर्ग, रामजीलाल मित्तल, सुरेश संघी, मंजू सोनी, सुरेंद्र सोनी, सफी मोहम्मद, सोमदेव शर्मा, मुकेश नंबरदार, कृष्ण, डॉ. चंद्र मोहन आदि मौजूद थे।

घर-घर चहके गौरैया, शक्ति सिंह के घौसले बनाने की अनोखी मुहिम बनी समाज के लिए मिसाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली।

कभी हर घर-आंगन में चहचहाने वाली गौरैया आज तेजी से कम होती जा रही हैं। बदलती जीवनशैली, शहरीकरण और प्राकृतिक आवास की कमी ने इस छोटी सी चिड़िया के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है। ऐसे समय में गांव दौंगड़ा अहीर निवासी एवं हरियाणा पुलिस में कार्यरत जवान शक्ति सिंह ने गौरैया संरक्षण की दिशा में एक अनोखी और सराहनीय पहल शुरू कर समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। पिछले सात वर्षों से शक्ति सिंह घर-घर गौरैया मुहिम के तहत लोगों को इस पक्षी के संरक्षण के लिए जागरूक कर रहे हैं। उनकी इस पहल का मुख्य उद्देश्य गौरैया को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना है, ताकि वह फिर से हमारे घर-आंगन की रौनक बन सके। इसके लिए वे लकड़ी के छोटे-छोटे घोंसले तैयार कर लोगों को निःशुल्क वितरित करते हैं। अब तक शक्ति सिंह करीब 2500 से अधिक घोंसले तैयार कर विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में बांट चुके हैं। इन घोंसलों को इस प्रकार डिजाइन किया जाता है कि गौरैया आसानी से इनमें घोंसला बना सके और सुरक्षित रह सके। वे बाजार से प्लाई खरीदकर अपने हाथों से इन घोंसलों का निर्माण करते हैं। अपनी व्यस्त ड्यूटी के बावजूद वे समय निकालकर हर वर्ष 300 से 500 तक घोंसले बना लेते हैं और लोगों तक पहुंचाते हैं। शक्ति सिंह की इस मुहिम का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जिन घरों में ये घोंसले लगाए गए हैं वहां गौरैया ने फिर से अपना बसेरा बनाना शुरू कर दिया है।

मंडी अटेली। तैयार किए गए गौरैया के घोंसले।

कार्य को मिल रही सराहना:

सिहमा पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार यादव ने कहा कि उनके गांव के हरियाणा पुलिस में कार्यरत जवान शक्ति सिंह की गौरैया संरक्षण मुहिम सराहनीय है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में गौरैया का अस्तित्व खतरे में है, लेकिन शक्ति सिंह के प्रयास इसे बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शक्ति सिंह द्वारा बनाए गए घोंसले गौरैया को सुरक्षित आश्रय प्रदान कर रहे हैं, जिससे उनकी संख्या में सुधार देखने को मिल रहा है। साथ ही इस पहल से लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है और अधिक लोग इस मुहिम से जुड़ रहे हैं।

महापुरुषों के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

उमराबाद में विचारों की गूंज: शिक्षा व सामाजिक चेतना का बना केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गांव बास किरारोद उमराबाद में महात्मा ज्योतिबा फुले व डॉ. भीमराव अंबेडकर की संयुक्त जयंती भव्य और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। डॉ. अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेते हुए महापुरुषों की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व चीफ मैनेजर बैंक एवं अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के पूर्व अध्यक्ष जयनारायण दुग्गल रहे। अध्यक्षता एडवोकेट भीमसिंह दहिया ने की। विशिष्ट अतिथियों में कबीर सामाजिक उत्थान संस्थान दिल्ली के वाइस चेयरमैन एवं अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण समिति के महासचिव बिरदीचंद गोठवाल, मुख्य वक्ता एडवोकेट हरेश पंवार, एलआईसी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रामानंद पनवाल, पूर्व डीएम महेंद्र खन्ना, साहित्यकार भूपसिंह, समाजसेवी केला देवी, बिरमा देवी गोठवाल, डॉ. जितेंद्र पाल, डॉ. सुशील कुमार शिलू, मदनलाल डाडैया, सत्यवीर सिंह, केला देवी, जगदीश, प्रधान सुमेश सैनी, कार्यक्रम संयोजक चौधरी फूलसिंह महायच व कृष्ण महायच शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हरेश पंवार ने किया, जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां हवासिंह बौद्ध की टीम ने दी। इस अवसर पर बीसी गोठवाल ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन दर्शन एवं महात्मा ज्योतिबा फुले के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि जयनारायण दुग्गल ने कहा कि समाज का वास्तविक उत्थान शिक्षा और सकारात्मक सोच से ही संभव है। उन्होंने बाबा साहब के शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के सिद्धांत को अपनाने का आह्वान किया। एडवोकेट भीमसिंह दहिया ने शिक्षा को सामाजिक स्वाभिमान और न्याय के संघर्ष का आधार बताते हुए समाज को एकजुट होकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले, रामाबाई अंबेडकर व कबीर दास के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रतिभाओं का सम्मान व शिक्षा सहयोग की अनूठी पहल

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोग व बच्चे। फोटो: हरिभूमि

गांव से उठी शिक्षा सेवा की मिसाल

कार्यक्रम के संयोजक एवं पूर्व बैंक मैनेजर चौधरी फूलसिंह महायच ने समाजसेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। वे अपने पैतृक गांव में निजी संसाधनों से विद्यालय संचालित कर बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने एक होनहार छात्र की उच्च शिक्षा के लिए हर छह माह में 51000 का वजीफा देने की घोषणा की। साथ ही भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी मिशन के तहत एक विद्यार्थी की निःशुल्क शिक्षा का जिम्मा भी लिया। ग्रामीणों ने उनके इस योगदान को सराहते हुए कहा कि ऐसे व्यक्तित्व समाज में शिक्षा व जागरूकता की नई रोशनी फैलाने का कार्य कर रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पर पत्रकार मनोज बुलान, सुरेंद्र सिंह, राहुल बौद्ध, कृष्ण कुमार, डॉ. जितेंद्र, रतिराम, संतलाल, सरजीत, ओमप्रकाश, जसवंत सिंह, रामपत, अशोक दास, सतीश तंवर, जगदीश गोठवाल, कृष्ण तोबड़ा, वीरेंद्र सैनी, समिति उपप्रधान यशपाल चौहान, सचिव मैनपाल महायच, कोषाध्यक्ष संजय इंदौरा, महेंद्र डेलीगेट, नरेंद्र उर्फ चंदू इंदौरा, अरुण इंदौरा, देवेंद्र महेश, आतिश इंदौरा, सुशील इंदौरा आदि मौजूद थे।

हसनपुर बोचड़िया में मनाई डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती, श्रद्धा सुमन अर्पित

नारनौल। गांव हसनपुर बोचड़यि में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ों, डीजे, घोड़ी तथा मोटरसाइकिल के काफिले के साथ शोभा यात्रा निकाली। मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट, जिला पार्षद समशेर सिंह, शिक्षाविद् डॉ. सविता नाहर, डॉ. सुभाष जोनी ने ग्रामीणों के साथ बाबा साहब व महात्मा बुद्ध के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित तथा पुष्प अर्पित कर समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह की अध्यक्षता बलराम सरपंच ने की। भीमजन चेतना समिति के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि गण को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। अतरलाल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को सामाजिक न्याय का अग्रदूत बताते हुए उनके सिद्धांतों पर चलने की अपील की।

गोमाता की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार को करंट बालाजी मंदिर के संत स्वामी नित्यानंद महाराज के सानिध्य में अनेक गौसेवकों ने एसडीएम योगेश सैनी को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से केंद्र और प्रदेश सरकार से भारतीय सभ्यता और संस्कृति की आराध्य गौ माता की सुरक्षा और सम्मान दिए जाने का आह्वान किया। संत स्वामी नित्यानंद महाराज ने बताया कि गायों में 33 कोटि देवी-देवता विद्यमान होते हैं। उनका पंचगव्य अमृत के समान होता है। गाय हमारा गौरव, सम्मान और संस्कृति है। इसकी रक्षा करना और सम्मान देना हमारा नैतिक कर्तव्य है। शास्त्रों में गाय को गौ माता का दर्जा दिया हुआ है, लेकिन अभी तक सरकारों से उनको वह सम्मान नहीं मिल पाया है, जो उसे मिलना चाहिए था। इसलिए पूरे देश के गो सेवकों ने गायों की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के लिए अभियान चलाया है।

समाधान शिविर में फरियादियों को मिल रहा तत्काल प्रभाव से न्याय: डीसी

नारनौल। जिला प्रशासन की ओर से आमजन की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर नागरिकों के लिए मददगार साबित हो रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने 95 नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की। डीसी ने शिविर के दौरान उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा सरकार के निर्देशों के तहत नागरिकों की शिकायतों पर तुरंत एक्शन लेना जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी नागरिक यदि अपनी समस्या लेकर प्रशासन के पास आता है, तो संबंधित विभाग की यह जिम्मेदारी है कि उसका निदान पूरी निष्ठा और जवाबदेही के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की मंशा प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का जल्द से जल्द समाधान करना है, ताकि आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने में कोई असुविधा न हो।

स्वास्थ्य की मजबूती के लिए दिव्यांगों ने किया योग

नारनौल। आयुष विभाग एवं हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में संतोष मेमोरियल पुनर्वास व अनुसंधान केंद्र में एक विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। योग शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न योग आसनों, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। योग विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मन को भी शांति मिलती है और जीवन में सकारात्मकता आती है। कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य डॉ. आरएन यादव ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग हमारे जीवन को संतुलित और स्वस्थ बनाने का प्रभावी माध्यम है। स्कूल प्रिंसिपल अनीता की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। इस अवसर पर संस्थान की चेयरपर्सन डॉ. कुसुम गुप्ता एवं चेयरमैन मुकेश गुप्ता ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि योग दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आयुष विभाग से योग स्पेशलिस्ट डॉ. सुधीर यादव अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

नारनौल। योग कार्यक्रम में भाग लेते दिव्यांग।

पहले प्रधान का इस्तीफा, अब पूरी जिला इकाई भंग

नारनौल। हरियाणा व्यापार मंडल की जिला इकाई से बतौर प्रधान रहे वैद्य किशन वशिष्ठ ने इस्तीफा दे दिया है। इसके पीछे उन्होंने राजनीति को प्राथमिकता दी। इसी वजह से उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। इसके बाद संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विजय लक्ष्मी चंद गुप्ता ने जिला में गठित जिला व्यापार मंडल की सभी इकाईयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। अब कोई भी व्यक्ति संगठन के नाम या पद का उपयोग नहीं करेगा। अब फिर से संगठन को ओर अधिक मजबूत व सक्रिय बनाने के लिए जिला इकाई का पुनर्गठन होगा। यह बोले वशिष्ठः हरियाणा व्यापार मंडल के पूर्व जिलाध्यक्ष वैद्य किशन वशिष्ठ ने बताया कि वह शुरू से राजनीतिक दल से जुड़े रहे हैं और जनहित में मुद्दे उठाते रहे हैं। अब वह केवल व्यापार मंडल से जुड़कर राजनीति नहीं छोड़ सकते। इसी कारण उन्होंने राजनीति को प्राथमिकता दी है।

बेटी की शादी से पूर्व घोड़ी पर निकाला बनवारा

नारनौल। शहर में बेटी की शादी से पूर्व उसके पिता ने उसको घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकाला। पिता की ओर से बेटी की शादी पर निकाले गए बनवारे की शहर में चर्चा है। बेटी पिता की इकलौती संतान है। जिसके चलते उसको खूब लाड़ प्यार से पाला है। शहर के मोहल्ला नई सराय निवासी हरियाणा पुलिस में होमगार्ड के पद पर तैनात प्रेम कुमार रोहिल्ला ने अपनी बेटी लकिता रोहिल्ला की शादी से पूर्व उसको सफेद घोड़ी पर बैठाकर मोहल्ले में लड़कों की तरह बनवारा निकाला। जिसमें रिश्तेदारों, परिचितों व लोगों ने नाच गाकर खुशियां मनाई। प्रेम कुमार ने बताया कि लकिता उसकी इकलौती संतान है तथा उसने स्नातक की हुई है। इकलौती संतान होने पर उसने बेटे की शादी में होने वाली तमाम रस्में निभाने के बारे में सोचा। उन्होंने बताया कि उसने बेटी को एक बेटे की तरह पाला है। लड़की की मां पूजा ने बताया कि परिवार में सभी लोगों का कहना था कि उसकी शादी में सभी प्रकार की खुशियां मनाई जाएं।

ज्ञापन मांगों को शीघ्र लागू करवाने के लिए संगठन लगातार प्रयासरत

बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण लाल नोहरा ने की

भारतीय मजदूर संघ ने रोडवेज में गठित की कार्यकारिणी, यजुवेंद्र बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ (रजिस्टर्ड नंबर 1342) संबंधित भारतीय मजदूर संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक नारनौल डिपो में कर्मशाला परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण लाल नोहरा ने की। बैठक में हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमेश श्योकंद, भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री हरकेश, ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट के उपमहामंत्री संजय पंडित, अजीत सिंह छोकर व राजेश कराना सहित डिपो कर्मचारी उपस्थित रहे। मीटिंग उपरांत जीएम देवदत्त को एक मांग पत्र भी सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष नोहरा ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बताया कि गत 23 अप्रैल 2026 को एसीएस महोदय के साथ परिवहन विभाग से संबंधित हुई बैठक में कई मांगों पर सहमति बनी थी। उन मांगों को शीघ्र लागू करवाने के लिए संगठन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही परिवहन मंत्री के साथ बैठक कर मांगों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा तथा कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री हरकेश नवनियुक्त डिपो पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ राष्ट्र के प्रत्येक श्रमिक के हित की चिंता करता है तथा परिवहन विभाग के कर्मचारियों के मांगों को भी सरकार के सम्मुख प्रमुखता से उठाएगा।

नारनौल। जीएम रोडवेज देवदत्त को ज्ञापन सौंपते हुए। हरिभूमि

ये रहे मौजूद

बैठक के दौरान नारनौल डिपो कमेटी के गठन की घोषणा की गई, जिसमें युजवेंद्र क्लर्क को प्रधान, संजय नीरपुर को उपप्रधान, नरेश सुन्दराह को सचिव, प्रीतम नांगल सिरोही को चेयरमैन, दयापाल को संगठन सचिव, रत्नसिंह को ऑडिटर, रविंद्र को कैशियर एवं वीरेंद्र को मुख्य सलाहकार बनाया गया। संघ ने सभी कर्मचारियों से संगठन को मजबूत करने, एकजुट रहकर कर्मचारी हितों की लड़ाई को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

सीजेएम ने सखी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में हिंसा पीड़ति महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। सीजेएम नीलम कुमारी ने केंद्र में रजिस्टर, केस फाइलों और परामर्श रिकॉर्ड की गहन समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पीड़ति महिलाओं की समस्याओं का समाधान पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ किया जाए। निरीक्षण के दौरान नीलम कुमारी ने वन स्टॉप सेंटर प्रशासक को निर्देश दिए कि वे पीड़ति महिलाओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करें।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को एसपी ने किया प्रोत्साहित

नारनौल। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने व उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए पुलिस अधीक्षक ने जिले के विभिन्न पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को नकद इनाम देकर सम्मानित किया। एसपी ने न्यायालय से 505 मुकदमों की केस प्रॉपर्टी के निपटारे संबंधी आदेश प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाने वाले ईएएसआई सुरेंद्र व सिपाही संजय को नकद इनाम दिया। वहीं थाना सदर महेंद्रगढ़ में दर्ज एफआईआर में त्वरित कार्रवाई करते हुए आंध्र प्रदेश से नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद करने वाली टीम के सदस्य एएसआई जितेंद्र, एएसआई सुरेश व महिला सिपाही आशा को भी सराहनीय कार्य के लिए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया।

सार्वजनिक सूचना

मै सुनील कुमार सेहरावत पुत्र रामचंद्र वासी गांव सिरोही बहाली तहसील नांगल चौधरी जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र दिनेश कुमार व पुत्रवधु मनीषा व दूसरा पुत्र धनराज सेहरावत व पुत्रवधु अन्शु कुमारी उर्फ अन्शु देवी मेरे कहने सुनने से बाहर है और आए दिन घर में लडाई-झगडा करते रहते है। इसलिए मैं इनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा।

खबर संक्षेप

एचसीएस के लिए रोडवेज की विशेष बसों से सफर हुआ सुगम

नारनौल। हरियाणा सरकार के दिशानिर्देशों व उपायुक्त अनुपमा अंजलि के मार्गदर्शन में हरियाणा लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित एचसीएस एवं अन्य एलाइड सर्विसेज की प्रारंभिक परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों हेतु परिवहन के विशेष प्रबंध किए गए। यह जानकारी देते हुए रोडवेज महाप्रबंधक देवदत्त ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से चलाया गया यह अभियान बेहद सफल रहा। जिससे अभ्यर्थियों को अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में किसी प्रकार की बाधा का सामना नहीं करना पड़ा।

पक्षी सेवा में जुटे युवा शक्ति फाउंडेशन के सदस्य

नारनौल। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के इस दौर में जहां इंसान बेहाल है, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए पानी का संकट खड़ा हो गया है। इस संकट को देखते हुए युवा शक्ति फाउंडेशन सेका ने एक बड़ी मानवीय पहल की है। फाउंडेशन की टीम ने गांव के सार्वजनिक स्थानों व पेड़ों पर मिट्टी के बर्तन (सकोरे) बांधकर अभियान का आगाज किया।

सेक्टर में माता की चौकी कल

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव ने बताया कि अशोक कुमार गर्ग के निवास हुडा सेक्टर में माता की चौकी का आयोजन 29 अप्रैल को किया जाएगा। सचिव नरेंद्र बंसी व उपप्रधान राजेश सैनी ने बताया कि माता की चौकी सायं सात बजे से रात्रि 11 बजे की जाएगी। कार्यक्रम संयोजक टीटू सोनी ने बताया कि चौकी में मुख्य यजमान अशोक कुमार गर्ग, हर्ष कुमार गर्ग सपरिवार रहेंगे।

गाय बचाओ संस्कृति बचाओ रैली निकाली

नांगल चौधरी। गोरक्षा दल के प्रभारी सुधीर चौधरी व गो उपचारशाला के प्रधान बिरेंद्र गोठड़ी की संयुक्त अगुवाई में गोभक्तों ने एसडीएम उमेद सिंह की मार्फत प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। जिसमें गायों की सुरक्षा पर सख्त कानून बनाने व गोशालाओं को आर्थिक सहायता का विशेष पैकेज देने की गुहार लगाई।

गोठड़ी में युवाओं ने की गोसेवा

नारनौल। गोमाता उपचार शाला गोठड़ी में युवा शक्ति का सराहनीय रूप देखने को मिला। जहां युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के तत्वावधान में युवाओं ने मिलकर गोसेवा का कार्य किया। इस दौरान युवाओं ने गोशाला में पहुंचकर गायों की सेवा, साफ सफाई और उनके रखरखाव में सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान योगेश सैनी ने कहा कि उनकी टीम लगातार गोसेवा को लेकर विशेष अभियान चला रही है।

साइकिलिंग, ताइक्वांडो, शूटिंग, वुशु, जिम्नास्टिक, रोइंग, सेपकटाक्रा, कयाकिंग और कैनोइंग, कराटे, सेलिंग, इक्वेस्ट्रियन घुड़सवारी, जू जित्सु, कुराश, स्क्वैश और गोल्फ शामिल

देशभर में 139 की मंजूरी, इनमें अकेले जिले को मिले 15 खेलों के लिए खेलो इंडिया केंद्र, खेल विभाग में करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

खेल प्रतिभाओं को तराशने और भविष्य के ओलंपिक चैंपियन तैयार करने की दिशा में सरकार ने अहम कदम उठाया है। भारतीय खेल प्राधिकरण ने देशभर में 139 अतिरिक्त खेलो इंडिया केंद्रों को मंजूरी दी है। इसके तहत जिले में भी विभिन्न खेलों के केंद्र स्थापित किए जाएंगे। जिले में 15 खेल विधाओं में केंद्र स्थापित करने की योजना है। इनमें साइकिलिंग, ताइक्वांडो, शूटिंग, वुशु, जिम्नास्टिक, रोइंग, सेपकटाक्रा, कयाकिंग और कैनोइंग, कराटे, सेलिंग, इक्वेस्ट्रियन घुड़सवारी, जू जित्सु, कुराश, स्क्वैश और गोल्फ शामिल हैं। निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार पात्र पूर्व एथलीट अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदकों की अधिकतम आयु 40 वर्ष होनी चाहिए, हालांकि विशेष मामलों में छूट दी जा सकती है। इच्छुक संस्थान या पात्र एथलीट अपना आवेदन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम स्थित जिला खेल कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्य दिवस के दौरान कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। केंद्रों की स्थापना के लिए उन संस्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके पास खेल के लिए पर्याप्त मैदान और आधुनिक ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हो। खिलाड़ियों के लिए बोर्डिंग (रहने) की सुविधा हो। वही स्पोर्ट्स डेवलपमेंट और एथलीटों के प्रदर्शन का एक बेहतरीन ट्रैक रिकॉर्ड हो।

इच्छुक संस्थान या पात्र एथलीट अपना आवेदन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम खेल कार्यालय में जमा करवा सकते हैं

पूर्व चैंपियन एथलीटों के लिए पात्रता मानदंड

एकल खेल: मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय सुरक्षा बल (एनएसएफ) संबंधित खेल संघ के अंतर्गत मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। मान्यता प्राप्त एनएसएफ की ओर से आयोजित सीनियर राष्ट्रीय खेल चैंपियनशिप में पदक विजेता, खेलो इंडिया गेम्स में पदक विजेता, राष्ट्रीय एआईयू पूर्व चैंपियन में पदक विजेता व मान्यता प्राप्त आयोजित वरिष्ठ राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व किया। खेलो इंडिया गेम्स में भागीदारी की हो।

टीम के खेल: मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय सुरक्षा बल संबंधित खेल संघ के अंतर्गत मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। मान्यता प्राप्त एनएसएफ की ओर से आयोजित वरिष्ठ राष्ट्रीय खेल चैंपियनशिप में पदक विजेता टीम का हिस्सा या खेलो इंडिया गेम्स में पदक विजेता टीम का हिस्सा। नेशनल एआईयू की पिछली चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा व मान्यता प्राप्त एनएसएफ द्वारा आयोजित वरिष्ठ राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व किया हो या खेलो इंडिया गेम्स में भाग लिया हो।

नारनौल। नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम। फोटो: हरिभूमि

क्या कहते हैं अधिकारी

जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि जिले में 15 खेल विधाओं में केंद्र स्थापित करने की योजना है। इनमें साइकिलिंग, ताइक्वांडो, शूटिंग, वुशु, जिम्नास्टिक, रोइंग, सेपकटाक्रा, कयाकिंग और कैनोइंग, कराटे, सेलिंग, इक्वेस्ट्रियन घुड़सवारी, जू जित्सु, कुराश, स्क्वैश और गोल्फ शामिल हैं। तैयारियां शुरू कर दी है।

नारनौल में 10 सफाई कर्मचारियों ने संभाला मोर्चा

दो दिन की कार्मिक भूख हड़ताल पर बैठे नप कर्मी मांगें न मानी तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर मंगलवार को फायर ब्रिगेड एवं नगर परिषद कर्मचारियों ने दो दिवसीय कार्मिक भूख हड़ताल शुरू कर दी। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की यह हड़ताल 20वें दिन भी जारी रही। गत 8 अप्रैल से राज्य स्तर पर चल रही इस हड़ताल में सोमवार से दो दिन के लिए भूख हड़ताल करेंगे। इस दौरान कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर रोष जताया और अपनी लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई। भूख हड़ताल की अध्यक्षता इकाई प्रधान भूपेंद्र सारवान ने की। कार्यक्रम में राज्य कमेटी के नेता भी पहुंचे, जिनमें राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सगेलिया, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र बोयत और जिला प्रधान कौशल यादव प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इकाई प्रधान ने बताया कि नारनौल इकाई से 10 सफाई कर्मचारी इस कार्मिक भूख हड़ताल में शामिल हैं। इनमें राहुल सारवान, जोगिंदर सिंह, मनोज कुमार, प्रदीप कुमार, सोनू, रानी देवी, उषा देवी, सावित्री देवी, नीलम देवी और मंजू देवी शामिल हैं। सभी कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जता रहे हैं। इकाई प्रधान भूपेंद्र सारवान ने बताया कि फरीदाबाद के गुजेसर स्थित कालकाजी स्टील कंपनी में गत 16 फरवरी को लगी भीषण आग को बुझाते समय फायर ब्रिगेड के दो कर्मचारी भवीचंद शर्मा व रणवीर सिंह ने अपना कर्तव्य निर्वहन करते हुए, लोगों की जान बचाते समय अत्यधिक आग से झुलस गए, जिनकी ईलाज के दौरान मौत हो गई।

नारनौल। भूख हड़ताल पर बैठे फायर ब्रिगेड व नप सफाई कर्मी। फोटो: हरिभूमि

कर्मचारियों की मांगें

नेताओं ने मांग की कि अग्निशमन विभाग के दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी दी जाए। साथ ही, फायर विभाग व अन्य कच्चे कर्मचारियों को स्थायी किया जाए। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में नगर पालिका व अग्निशमन विभाग के अधिक कर्मचारी इस आंदोलन में शामिल होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। भूख हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की और अपनी मांगों पर अडिग रहने का संकल्प लिया।

फायर कर्मियों संग भेदभाव सरकार पर गंभीर आरोप

इन कर्मचारियों ने अपनी शहादत दी, लेकिन सरकार ने दोगला व्यवहार किया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि इस आगजनी में पुलिस कर्मचारी को तो शहीद का दर्जा दिया और एक करोड़ रुपये की सहायता राशि भी दी गई, लेकिन फायर कर्मचारी भवीचंद शर्मा व रणवीर सिंह को न तो शहीद का दर्जा दिया गया और न ही कोई आर्थिक सहायता की गई। इसके दबाव में 10 अप्रैल को मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 20-20 लाख रुपये और विभागीय पॉलिसी के तहत 10-10 लाख रुपये (कुल 30 लाख) देने की घोषणा की। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार सफाई कर्मचारियों के प्रति वादाखिलाफी कर रही है और उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि कई बार पत्राचार और आंदोलन के माध्यम से सरकार को चेताया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। इससे कर्मचारियों में गहरी नाराजगी बनी हुई है।

नारनौल। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को फूल मालाओं से सम्मानित करते हुए।

सर्वसम्मति से सुनील निनानियां बने बिजली यूनियन के यूनिट प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा पॉवर कॉरपोरेशन अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ा कर्मचारी यूनियन रजिस्टर्ड नंबर 417 के बैनर तले सर्कल नारनौल के यूनिट बॉडी के द्विवार्षिक चुनाव दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रांगण में सर्व सम्मति से संपन्न करवाए गए, जिसमें जेई प्रथम श्रेणी वेदप्रकाश एवं सर्कल सचिव लक्खन लाल ने अध्यक्षता की। चुनाव अधिकारी सर्कल ऑर्गनाइजर सुरेंद्र सिंह रहे और उनकी मौजूद में यह चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न करवाए गए। मौजूद सदस्यों ने आपसी सहमति से सुनील निनानियां को यूनिट प्रधान, वरिष्ठ उपप्रधान राकेश कुमार एएफएम, बाबूलाल को उपप्रधान, राजेश कुमार को सचिव, यूडीसी जयसिंह को सहसचिव, सत्यवान एएफएम को प्रेस सचिव और बीरसिंह फोरमैन को खजांची चुना गया। राज्य वित्त सचिव राजेंद्र सिंह कपूरी ने यूनियन के संविधान की शपथ दिलाई और यूनियन के कर्मचारियों के कार्यों को प्राथमिकता पर करवाने का प्रण लिया।

ये रहे मौजूद

बैठक में सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को फूल मालाएं पहनाकर सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित किया और बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बैठक में मुख्य रूप से राजेंद्र सिंह कपूरी, प्रधान वेदप्रकाश जेई–1, उपप्रधान संदीप कुमार, अतिरिक्त राज्य महासचिव महेश कुमार गोमला, सुनील कुमार, गोरी शंकर फोरमैन, संदीप जेई, अनिल कुमार लाइनमैन एवं सत्यपाल जेई आदि अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता नियती टीम रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

एसडी विद्यालय ककराला में सोमवार को सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दृष्टिगत विद्यार्थियों को चार समूहों में बांटा गया था। प्रत्येक समूह में छह छह विद्यार्थियों को शामिल किया गया। जिसका संचालन सामाजिक विज्ञान अध्यापिका राजबाला, मनीषा, नीलम व पिंकी कुमारी ने किया। बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर सभी समूहों के बीच कांटे की टक्कर बनी रही।

कनीना। विजेता टीमों को पारितोषिक वितरित करती प्राचार्या। फोटो: हरिभूमि

विजेताओं को किया सम्मानित

नियती टीम के विद्यार्थियों निर्मल, माही, तेजस्व, देव व नक्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। काव्या की टीम ने द्वितीय व समर की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्या डॉ. शिप्रा सारस्वत ने सभी विजेता टीमों को पारितोषिक वितरित किए। इस मौके पर प्रबंधन समिति के वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश यादव, सीईओ आरएस यादव, डिप्टी डायरेक्टर पूर्णसिंह, स्नेहलता, ईश्वर सिंह, प्रियंका, बिन्दु उपस्थित थे।

सरस्वती के 15 छात्रों को ओलंपियाड में मिला गोल्ड

- चेयरमैन दयाराम यादव ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल एजुकेशन ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया है। विभिन्न विषयों में भाग लेने वाले 15 विद्यार्थियों ने गोल्ड, छह को सिल्वर तथा चार ने ब्रांज मेडल जीतकर संस्था और नांगल चौधरी ब्लॉक का गौरव बढ़ाया है। स्कूल के चेयरमैन दयाराम यादव ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। प्राचार्या वंदना यादव ने बताया कि सातवीं कक्षा की छात्रा वंशिका बंसल ने गणित विषय में गोल्ड मेडल जीता है। इसके अलावा मानवी, मोक्ष शर्मा, कृष यादव पहली कक्षा की स्पर्धा में विजेता रहे हैं। निशा कुमारी, अमन कुमार, श्रेयांश, हितेश व हरीश यादव ने छठी कक्षा की प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल पर कब्जा किया।

नांगल चौधरी। ओलंपियाड में गोल्ड मेडल विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते चेयरमैन दयाराम यादव।

ये रहे मौजूद

वहीं विज्ञान विषय में गर्व कुमार, यशिका को गोल्ड मेडल जीतने में कामयाबी मिली। अंग्रेजी विषय में दिव्या कुमारी, सारा कुमारी व महक ने गोल्ड मेडल जीता। कुमारी जिया व इशिका ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। सामान्य ज्ञान स्पर्धा में मीनल कुमार ने गोल्ड मेडल हासिल किया। गणित में अनुष्का, कविका बंसल, मयंक शेहरावत, देवानंद ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं अनवी, जियान, कपिल व नितिन कुमार ने ब्रांज मेडल जीतकर संस्था का नाम रोशन किया है। सम्मान समारोह में वाइस प्राचार्या रेखा यादव, अशोक कुमार आदि मौजूद रहें।

सीपीई स्टडी चैप्टर की बैठक में पुरानी टीम पर जताया विश्वास

प्रवीन बंसल।

विकास अग्रवाल।

नारनौल। सीपीई स्टडी चैप्टर की बैठक निजी होटल में आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पुरानी टीम के कार्यों की सराहना करते हुए सीए प्रवीन बंसल को पुनः कन्वीनर व सीए विकास अग्रवाल को डिप्टी कन्वीनर चुना। सदस्यों ने कहा कि पूर्व टीम ने चैप्टर की गतिविधियों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया है तथा प्रोफेशनल ज्ञान, सीपीई कार्यक्रमों व सदस्यों की भागीदारी को बढ़ाने में सराहनीय योगदान दिया है। इसी विश्वास और एकजुटता के साथ सभी सदस्यों ने पुराने नेतृत्व को ही पुनः जिम्मेदारी सौंपने पर सहमति व्यक्त की।

एकादशी पर लगाई मीठे पानी की छबील

महेंद्रगढ़। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के लिए शहीद भगत सिंह युवा संगठन द्वारा एकादशी पर्व पर बुचौली रोड पर मीठे पानी की छबील लगाई गई। संगठन की यह सामाजिक सेवा परंपरा हर महीने निरंतर जारी है और इस महीने यह 11वां प्रसाद वितरण कार्यक्रम था। संगठन संचालक विकास शर्मा बुचौली ने बताया कि एकादशी के पावन अवसर पर संगठन द्वारा प्रसाद रूप में मीठे पानी की छबील लगाकर सैकड़ों राहगीरों को ठंडा मीठा जल पिलाया गया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह युवा संगठन समय-समय पर धार्मिक, सामाजिक और सेवा भाव के कार्यों का आयोजन करता रहता है, ताकि समाज में परस्पर सहयोग और मानवता की भावना को बढ़ावा मिल सके।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

गांव नायन में 21 अप्रैल को शादी समारोह में हुई थी युवक की हत्या

यादराम हत्याकांड में गुरुग्राम से तीन आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ के लिए लिया रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीआईए टीम ने नांगल चौधरी थाना क्षेत्र के गांव नायन में 21 अप्रैल को हुई युवक यादराम की हत्या के मामले में तीन और आरोपितों को गुरुग्राम से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान मधुसूदन निवासी धानोता, रामबीर व प्रदीप निवासी लुजोता के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपितों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया है और उनसे वारदात को लेकर सख्ती से पूछताछ की जा रही है।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो: हरिभूमि

शादी में हमला

बता दें कि 21 अप्रैल को गांव नायन में एक शादी समारोह के दौरान जब परिवार के लोग बारात का स्वागत कर रहे थे, तब नांगल चौधरी की तरफ से आई गाड़ियों ने जानबूझकर यादराम को टक्कर मार दी थी। इसके बाद गाड़ियों से उतरे हथियारबंद बदमाशों ने यादराम व अन्य लोगों पर लाठी, डंडों व लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया था और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए थे। इस हमले में सिर में गंभीर चोटें आने और गाड़ी से कुचले जाने के कारण यादराम की मृत्यु हो गई थी।

पुरानी रंजिश

मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तुरंत प्रभाव से इस जघन्य वारदात की जांच सीआईए को सौंप दी थी। सीआईए टीम ने तत्परता से काम करते हुए इससे पहले 23 अप्रैल की देर शाम इस हत्याकांड में शामिल एक आरोपित देशराज निवासी कालबा को गिरफ्तार किया था और अब इन तीन अन्य आरोपितों को काबू किया गया है। प्रारंभिक पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया है कि आरोपितों की मृतक यादराम के किसी साथी के साथ पुरानी रंजिश चल रही थी।